विश्वास का तीसरा स्तर

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

विश्वास के तीन प्रकार सामने आते हैं, जो यीशु का अनुसरण करने वाले समूह के बीच दिखाई देते हैं।

पहला समूह:
यह वह समूह है जो यह सुनिश्चित करता है कि वे यीशु को आमने-सामने देखें, उनसे बात करें, और प्रभु यीशु से प्रार्थना करें कि वे उन्हें चंगा करें। यदि बीमार वहाँ उपस्थित नहीं हैं, तो यह समूह यह सुनिश्चित करता है कि यीशु उन्हें उनके घर तक पहुँचें ताकि उनके लिए प्रार्थना की जा सके। यह समूह पूरी तरह से यीशु पर निर्भर रहता है और हर कार्य में उन्हें छोड़ देता है।

यह समूह सबसे बड़ा था और आज भी मौजूद है। ये लोग जो चंगा होना चाहते हैं या अपनी ज़रूरत पूरी करवाना चाहते हैं, वे किसी भी कीमत पर भगवान के सेवकों को ढूँढने को तैयार रहते हैं, चाहे उन्हें नाइजीरिया या चीन तक जाना पड़े।

दूसरा समूह:
यह वह समूह है जिसे यीशु की शक्ति की गहरी दृष्टि मिली थी। उन्हें यह ज़रूरत नहीं थी कि यीशु उनके घर आएँ। उदाहरण के लिए, सैनिक (सैरजेंट) जिसने यीशु का अनुसरण किया।

मत्ती 8:5-10

विश्वास का तीसरा स्तर

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

“जब यीशु कापरनूम में प्रवेश कर रहे थे, एक सैनिक उनके पास आया और विनती की, ‘प्रभु, मेरा सेवक घर में पड़ा है, वह बहुत पीड़ित है।’
यीशु ने कहा, ‘मैं आकर उसे चंगा करूँगा।’
सैनिक ने उत्तर दिया, ‘प्रभु, मैं योग्य नहीं कि आप मेरी छत के नीचे आएँ; केवल शब्द कहिए, और मेरा सेवक ठीक हो जाएगा। क्योंकि मैं भी अधीनस्थ हूँ और मेरे नीचे सैनिक हैं; यदि मैं किसी से कहता हूँ, ‘जाओ,’ वह जाता है; और किसी से कहता हूँ,
‘आओ,’ वह आता है; और अपने दास से कहता हूँ, ‘यह करो,’ वह करता
है।’
यीशु ने यह सुनकर आश्चर्य किया और उनके साथ चल रहे लोगों से
कहा, ‘सच में, मैंने इस तरह का बड़ा विश्वास इस पूरे इज़राइल
में कभी नहीं देखा।’”

सैनिक ने विश्वास के साथ यह माना कि सिर्फ उसका आदेश देने भर से काम पूरा हो सकता है, और इसी तरह यीशु, स्वर्ग का राजा, केवल अपने आदेश से चंगा कर सकते थे।

आज भी ऐसे लोग मौजूद हैं—वे जो विश्वास रखते हैं कि यीशु उनके भीतर हैं और उन्हें किसी सेवक की आवश्यकता नहीं। जब ये लोग प्रार्थना करते हैं, तो चमत्कार होता है।

विश्वास का तीसरा स्तर

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

तीसरा समूह:
यह समूह बिना किसी मध्यस्थ के सीधे यीशु की शक्ति से लाभ प्राप्त करता है। उदाहरण के लिए, वह महिला जो बारह वर्षों से रक्तस्त्राव से पीड़ित थी।

लूका 8:43-48

“एक महिला जो बारह वर्षों से रक्त बहा रही थी, [अपने सभी धन
को इलाज के लिए खर्च कर चुकी थी] उसने भीड़ में जाकर यीशु के वस्त्र को छू लिया; तुरंत उसका रक्त बहना बंद हो गया।
यीशु ने कहा, ‘किसने मुझे छुआ?’ सब लोग झगड़ने लगे। पेत्रुस ने कहा, ‘प्रभु, लोग आपसे घेरकर दबा रहे हैं।’
यीशु ने कहा, ‘किसने मुझे छुआ, मैं महसूस कर सकता हूँ कि
शक्ति मुझसे चली गई है।’
महिला ने डर के साथ आकर सबके सामने सच बताया और यीशु ने कहा, ‘बेटी, तुम्हारा विश्वास तुम्हें चंगा कर चुका है; जाओ और शांति से रहो।’”

यह वह स्तर है जहाँ यीशु हम तक पहुँचते हैं—हम उन्हें नहीं ढूँढते, बल्कि वे हमारे भीतर कार्य करते हैं। जब यह विश्वास व्यक्ति में परिपक्व हो जाता है, इसे परिपूर्ण विश्वास (1 कुरिन्थियों 13:2) कहा जाता है। ऐसा विश्वास व्यक्ति को आदेश

विश्वास का तीसरा स्तर

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

देने और चमत्कार करने की शक्ति देता है।

हमारी प्रार्थना हो कि हम इस स्तर तक पहुँचें। इसके लिए हमें यीशु मसीह की गहरी समझ और ज्ञान चाहिए। जैसा कि बाइबिल कहती है:

“क्योंकि उनमें समस्त बुद्धि और ज्ञान के खजाने हैं” (कुलुस्सियों 2:3)।

भगवान आपको आशीर्वाद दे।

विश्वास का तीसरा स्तर

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5